भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4702

जिसका उत्तर 21.08.2025 को दिया जाना है

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के पूरा होने में देरी

4702. श्री इमरान मसूद:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2014 से अब तक निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी नहीं हो पाने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) परियोजनाओं की राज्य-वार संख्या कितनी है;

(ख) देश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं/अन्य संबंधित अवसंरचना परियोजनाओं में अत्यधिक देरी के क्या कारण हैं;

(ग) क्या उक्त देरी के कारण लागत में कोई वृद्धि हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) वर्ष 2015 से अब तक विभिन्न परियोजनाओं के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा वर्ष-वार कितना ऋण लिया गया है; और

(ङ) सहारनपुर जिले से गुजरने वाले प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्गों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) 1 अप्रैल, 2014 से शुरू की गई सभी राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) परियोजनाओं में से 576 निर्माणाधीन परियोजनाएं, ऐसी हैं जो परियोजना पूर्णता के विभिन्न चरणों में से किसी को भी प्राप्त किए बिना, अपने मूल समापन समय से आगे बढ़ गई हैं और समाप्ति/समय पूर्व समापन के लिए विचाराधीन परियोजनाओं को इसमें शामिल नहीं किया गया है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ख) राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में देरी के प्राथमिक कारण भूमि अधिग्रहण, वैधानिक मंजूरी/अनुमति, जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण, अतिक्रमण हटाने, कानून और व्यवस्था, रियायतग्राही/ठेकेदार की वित्तीय तंगी, ठेकेदार/रियायतग्राही का खराब निष्पादन और कोविड-19 महामारी, भारी वर्षा, बाढ़, चक्रवात, भूस्खलन/हिमस्खलन आदि जैसी अप्रत्याशित घटनाएं हैं।

(ग) सभी विलंबित परियोजनाओं में लागत में वृद्धि नहीं होती है। यदि देरी ठेकेदार के कारण नहीं होती है, तो अनुबंध की शर्तों के अनुसार मूल्य वृद्धि का भुगतान किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अतिरिक्त लागत लग भी सकती है और नहीं भी, जो परियोजना के वास्तविक समापन और बिलों के अंतिम निपटान पर निर्धारित मूल्य वृद्धि के अंतिम मूल्य पर निर्भर करता है। यदि देरी ठेकेदार के

कारण होती है, तो उस पर हर्जाना लगाया जाता है और देरी के कारण कोई अतिरिक्त लागत नहीं लगती है।

(घ) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा 2014-15 से जुटाए गए आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आईईबीआर) का वर्ष-वार विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(ङ) वर्तमान में, 6 राष्ट्रीय राजमार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 307, 344, 344बीजी, 344जी, 344जीएम और 709बी) उत्तर प्रदेश राज्य के सहारनपुर जिले से गुजरते हैं।

अनुलग्नक-I

'राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के पूरा होने में देरी' के संबंध में श्री इमरान मसूद द्वारा पूछे गए दिनांक 21.08.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 4702 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

1 अप्रैल, 2014 से शुरू हुए निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) परियोजनाओं का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा, जो परियोजना पूर्णता के विभिन्न चरणों में से किसी को प्राप्त किए बिना ही अपने मूल समापन समय से आगे बढ़ गई हैं और समाप्ति/समय पूर्व समापन के लिए विचाराधीन परियोजनाओं को इसमें शामिल नहीं किया गया है।

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	परियोजनाओं की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	37
2	अरुणाचल प्रदेश	7
3	असम	17
4	बिहार	31
5	छत्तीसगढ	12
6	गोवा	4
7	गुजरात	19
8	हरियाणा	11
9	हिमाचल प्रदेश	11
10	झारखंड	15
11	कर्नाटक	44
12	केरल	17
13	मध्य प्रदेश	18
14	महाराष्ट्र	53
15	मणिपुर	21
16	मेघालय	4
17	मिजोरम	7
18	नागालैंड	6
19	ओडिशा	24
20	पंजाब	24
21	राजस्थान	19
22	सिक्किम	8
23	तमिलनाडु	19
24	तेलंगाना	24
25	त्रिपुरा	4
26	उत्तर प्रदेश	43
27	उत्तराखंड	27
28	पश्चिम बंगाल	12
29	संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)	38
	कुल योग	**576**

अनुलग्नक-II

'राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के पूरा होने में देरी' के संबंध में श्री इमरान मसूद द्वारा पूछे गए दिनांक 21.08.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 4702 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा वर्ष 2014-15 से जुटाए गए आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (आईईबीआर) का विवरण

वर्ष	आईईबीआर (करोड़ रुपये में)
2014-15	3,343
2015-16	23,281
2016-17	33,118
2017-18	50,533
2018-19	61,217
2019-20	74,988
2020-21	65,036
2021-22	65,150
2022-23	798
2023-24	0
2024-25	0
2025-26 (30.06.2025 तक)	0

*****